हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 76 | देहरादून, मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

उत्तराखंड : अल्मोड़ा के तनुज बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट 3

हिमालय संरक्षण के लिए स्पेशल कमेटी बनाएंगे : सीएम धामी

दो सितम्बर से मनाया जाएगा बुग्याल संरक्षण दिवस : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 सितंबर , हिमालय दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए. जिसमे हिमालय के संरक्षण और संवर्धन को लेकर चर्चा की गई. इसी क्रम में हिमालय दिवस के अवसर पर सोमवार को मुख्यमंत्री सेवा सदन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने हिमालय संरक्षण के लिए स्पेशल कमेटी गठित करने की बात कही. यूकॉस्ट के महानिदेशक दुर्गेश पंत के संयोजन में हिमालय के सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के लिए स्पेशल कमेटी गठित की जाएगी.

इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान सीएम ने यूकॉस्ट की ओर आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय पांचवें, अंतरराष्ट्रीय साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल के पोस्टर का भी विमोचन किया. अंतरराष्ट्रीय साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल प्रदेश के 6 जिलों- देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में मौजूद इंजिनियरिंग कॉलेजों में किया जाएगा.

कार्यक्रम के दौरान सीएम ने हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिमालय के संरक्षण और संवर्धन के लिए काम कर रहे लोगों का आभार जताया. उन्होंने कहा कि, अगले साले से राज्य में हर साल दो सितम्बर को बुग्याल संरक्षण दिवस मनाया जाएगा. जलवायु परिवर्तन तेजी से एक गंभीर समस्या बनती जा रही है. देहरादून में इस साल तापमान में काफी अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई. ऐसे में अगर तापमान, इसी तरह से बढ़ता रहा तो आने वाले समय में चिंताएं और अधिक बढ़ जाएंगी. ऐसे में हिमालय, जल और जंगल के संरक्षण के लिए सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है.

सीएम धामी ने कहा हिमालय के महत्व को नए तरीके से समझने की जरूरत है. राज्य सरकार जल स्रोतों और नदियों के पुनर्जीवीकरण को लेकर लगातार काम कर रही है. इसके लिए स्प्रिंग एण्ड रिवर रिज्यूवनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है. हिमालय के संरक्षण के लिए तमाम कार्य किये जा सकते हैं. हिमालय हमारी एक अमूल्य धरोहर है. जिसको बचाने की जरूरत है.

उत्तरखंड सरकार का बेटियों को तोहफा, अब उच्च शिक्षा के लिए हर साल मिलेंगे 10 हजार रुपए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 सितम्बर : नंदा गौरा योजना के तहत बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए सरकार हर साल वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इसके लिए योजना में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को एक महीने के भीतर विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उत्तराखंड में चल रही 'नंदा गौरा योजना' जो वर्तमान में बेटियों के जन्म पर 11,000 रुपये और 12वीं पास करने पर 51,000 रुपये देती है, राज्य सरकार इसमें अब बदलाव करने जा रही है।

इस योजना को सुकन्या समृद्धि योजना से जोड़कर हर साल पात्र बेटियों के खाते में 10,000 रुपये या उससे अधिक की राशि देने का प्रस्ताव रख रही है। यह वित्तीय सहायता बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करेगी और उनकी शिक्षा के खर्च को आसान बनाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस बदलाव के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, और योजना में आवश्यक संशोधनों के प्रस्ताव पर काम चल रहा है। प्रदेश के हर जिले में कामकाजी महिला छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा, जिन्हें पीपीपी मोड में संचालित किया जाएगा। सीएम ने इस योजना के तहत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में भूमि की उपलब्धता की जांच और पीपीपी मोड में संचालन की योजना तैयार करने के निर्देश दे दिए हैं।

उत्तराखंड में अब सिर्फ ऑन लाइन होगा डॉक्टरों का पंजीकरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । उत्तराखंड में एमबीबीएस डॉक्टरों का पंजीकरण अब सिर्फ ऑन लाइन ही होगा। उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल ने नियमों में बदलाव करते हुए ऑफ लाइन पंजीकरण की व्यवस्था बंद कर दी है। विदित है कि किसी भी मेडिकल प्रैक्टिशनर के लिए राज्य मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण कराना जरूरी होता है। उसके बाद ही डॉक्टर मरीजों का इलाज कर सकते हैं। अभी तक राज्य में डॉक्टरों को पंजीकरण कराने के लिए उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल के कार्यालय में जाकर ऑफ लाइन पंजीकरण कराना होता था। इसमें लंबा समय लगने के साथ ही डॉक्टरों को चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब मेडिकल काउंसिल ने नियमों में बदलाव कर दिया है। इसके तहत डॉक्टर सिर्फ ऑन लाइन ही पंजीकरण के लिए आवेदन करेंगे। काउंसिल उनका ऑन लाइन ही वेरिफिकेशन करेगी और उसके आधार पर ही उनका पंजीकरण किया जाएगा। उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ सुधीर पांडेय ने बताया कि काउंसिल ने पंजीकरण के नए नियम लागू कर दिए हैं और इसके तहत अधिकतम 20 दिन में डॉक्टरों को पंजीकरण मिल जाएंगे।

दस्तावेज सत्यापन के लिए भी ऑफिस आने की जरूरत नहीं : काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ सुधीर पांडेय ने बताया कि पंजीकरण कराने के बाद डॉक्टरों को डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के लिए भी काउंसिल में आने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मूल दस्तावेजों का वेरिफिकेशन भी ऑन लाइन ही किया जाएगा। यदि किसी के डॉक्यूमेंट ठीक से अपलोड नहीं होंगे तो पंजीकरण को रद्द कर दिया जाएगा और फिर उन्हें नए सिरे से ऑन लाइन ही आवेदन करना होगा।

सीडीओ अभिनव शाह के जनसुनवाई कार्यक्रम में 95 शिकायतें प्राप्त

देहरादून । जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आज मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने ऋषिपर्णा सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में आज 95 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें अधिकतर मामले भूमि सम्बन्धी प्राप्त हुए, इसके अतिरिक्त विद्युत, श्रम, नगर निगम, एमडीडीए, लोनिवि, एनएच, आदि विभागों से समबन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका निस्तारण करना सुनिश्चित करें। तथा आज प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही से अगली जनसुनवाई में वस्तुस्थिति से अवगत करायेगें । जनसुनवाई में आज सारथी विहार निवासी महिला द्वारा शिकायत की गई कि एक व्यक्ति द्वारा उनके रास्ते को निजी भूमि बनाकर रास्ता बन्द कर दिया है, जिस पर उप जिलाधिकारी सदर को कार्यवाही के निर्देश दिए।

iPhone 15 से कितना अलग होगा iPhone 16, दिखेंगे ये बड़े बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 सितंबर : iPhone 16 में सबसे बड़ा बदलाव डिजाइन में होगा. इस बार, iPhone 16 और 16 Plus के पीछे कैमरे सीधे खड़े होंगे, पहले वे तिरछे थे. ये बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि iPhone 16 में भी स्पेशल वीडियो रिकॉर्डिंग का फीचर आ सके, जो अभी सिर्फ iPhone 15 Pro में है. इसके अलावा, iPhone 16 में एक नया एक्शन बटन भी होगा, जो पहले सिर्फ iPhone 15 Pro में था.

iPhone 16 में सबसे बड़ा बदलाव डिजाइन में होगा. इस बार, iPhone 16 और 16 Plus के पीछे कैमरे सीधे खड़े होंगे, पहले वे तिरछे थे. ये बदलाव इसलिए किया जा रहा है ताकि iPhone 16 में भी स्पेशल वीडियो रिकॉर्डिंग का फीचर आ सके, जो अभी सिर्फ iPhone 15 Pro में है. इसके अलावा, iPhone 16 में एक नया एक्शन बटन भी होगा, जो पहले सिर्फ iPhone 15 Pro में था.

iPhone 15 और iPhone 16 में सबसे बड़ा अंतर अंदर होगा. iPhone 16 में Apple का नया A18 चिप होगा, जो iPhone 15 के चिप से बहुत ज्यादा अच्छा है. Apple ने इस चिप को बनाने के लिए TSMC नाम की कंपनी की नई तकनीक का इस्तेमाल किया है. इससे फोन का काम करने का तरीका और बैटरी की लाइफ दोनों ही बेहतर होंगे. इस चिप की मदद से फोन में AI भी ज्यादा अच्छा काम करेगा. Apple इंटेलिजेंस नाम का फीचर भी आएगा, जिसमें सिरी और कई अन्य स्मार्ट फीचर्स होंगे.

iPhone 16 में कैमरा भी बहुत अच्छा होगा. इस फोन में 48MP का अल्ट्रा-वाइड कैमरा होगा, जो iPhone 15 से बेहतर है. इस कैमरे से कम रोशनी में भी अच्छी तस्वीरें आएंगी, इसके अलावा, iPhone 16 में एक नया बटन भी होगा, जो कैमरा के शटर की तरह काम करेगा. इस बटन को दबाने के तरीके से आप फोकस कर सकते हैं और तस्वीर या वीडियो ले सकते हैं.

iPhone 16 में बैटरी भी बेहतर होगी. इस फोन में एक नई तरह की बैटरी लगी होगी, जिससे फोन की बैटरी ज्यादा देर तक चलेगी और फोन ज्यादा मोटा नहीं होगा। इस फोन को चार्ज करने की स्पीड भी बढ़ जाएगी. कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फोन को तेजी से चार्ज करने के लिए 40W का चार्जर और 20W का MagSafe चार्जर भी मिलेगा. ये दोनों ही बहुत फास्ट चार्जिंग होगी, जो iPhone 15 से बहुत बेहतर है.

स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारत के स्वास्थ्य आयाम अवसंरचना और मानव संसाधन 2022-23 जारी किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ यह वार्षिक प्रकाशन एनएचएम के तहत जनशक्ति और अवसंरचना पर आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो नीति निर्माण, प्रक्रियाओं में सुधार और समस्या समाधान में सहायक है : केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव

₹स्वास्थ्य कर्मियों के काम के बोझ को कम करने और समय पर डेटा अपलोड करने और इसका सावधानीपूर्वक विश्लेषण किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय के एचएमआईएस पोर्टल को आरसीएच और अन्य पोर्टलों के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है₹

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, अपूर्व चंद्रा ने आज यहां ₹भारत के स्वास्थ्य आयाम (अवसंरचना और मानव संसाधन) 2022-23₹ नामक वार्षिक प्रकाशन जारी किया, जिसे पहले ₹ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी₹ के रूप में जाना जाता था। यह दस्तावेज 1992 से प्रकाशित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के विभिन्न आयामों पर विश्वसनीय और प्रामाणिक जानकारी के स्रोत के रूप में दस्तावेज पर प्रकाश डालते हुए, अपूर्व चंद्रा ने कहा, यह वार्षिक प्रकाशन एनएचएम के तहत जनशक्ति और अवसंरचना पर आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जो नीति निर्माण, प्रक्रियाओं में सुधार और समस्या समाधान में सहायक है।₹

उन्होंने कहा कि यह दस्तावेज राज्यों में जनशक्ति और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता और कमियों पर क्षेत्र आधारित विश्लेषण देता है। उन्होंने कहा कि डेटा राज्यों की आवश्यकताओं, उनके प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, नीतियों और लक्षित अभियानों को तैयार करने में बेहद मददगार है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सांख्यिकी विभिन्न मापदंडों पर राज्यों के प्रदर्शन की तुलना करने में भी सहायता करती है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने ₹स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) पोर्टल को प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) और मंत्रालय के अन्य पोर्टलों के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिलाया ताकि स्वास्थ्य कर्मियों के काम के बोझ को कम किया जा सके और समय पर डेटा अपलोड करने और इसके सावधानीपूर्वक विश्लेषण को सुनिश्चित किया जा सके।₹

1992 से, प्रकाशन ने स्वास्थ्य अवसंरचना और मानव संसाधनों पर विस्तृत वार्षिक डेटा प्रदान किया है, जिसमें प्रत्येक वर्ष के 31 मार्च तक का अपडेट दिया जाता है। यह डेटा स्वास्थ्य क्षेत्र के हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश भर में स्वास्थ्य अवसंरचना की प्रभावी योजना बनाने, निगरानी करने और प्रबंधन करने का समर्थन करता है। स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना और मानव संसाधनों की वर्तमान स्थिति की एक स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करके, प्रकाशन ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों की कमियों की पहचान करने और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक आधारभूत उपकरण के रूप में कार्य करता है।इसके दो भाग हैं:भाग 1 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की प्रोफाइल के साथ भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक समग्र दृश्य प्रस्तुत करता है, स्पष्टता के लिए मानचित्रों और चार्ट जैसी दृश्य सहायता का उपयोग करता है।भाग 2 को नौ खंडों में विभाजित किया गया है, जो स्वास्थ्य सुविधाओं, जनशक्ति और जनसांख्यिकीय संकेतकों पर गहन डेटा प्रदान करता है।प्रकाशन में निहित जानकारी नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य प्रशासकों और योजनाकारों को स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं और मानव संसाधनों के वितरण और पर्याप्तता का आकलन करने में सक्षम बनाती है।

यह स्वास्थ्य सेवा अदायगी को अनुकूलित करने और संसाधनों को कुशलतापूर्वक आवंटित करने के लिए लक्षित रणनीतियों को तैयार करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, डेटा विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकताओं को समझने के लिए एक विज़न दस्तावेज़ के रूप में कार्य करता है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक न्यायसंगत वितरण संभव होता है।कुल मिलाकर, यह प्रकाशन यह सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक संसाधन सामग्री है कि स्वास्थ्य अवसंरचना विकास सभी जनसंख्या समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप हो, जो अंततः पूरे देश में एक सुदृढ़ और उत्तरदायी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में योगदान दे।31 मार्च, 2023 तक, देश में कुल 1,69,615 उप-केंद्र (एससी), 31,882 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), 6,359 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), 1,340 उप-मंडल/जिला अस्पताल (एसडीएच), 714 जिला अस्पताल (डीएच) और 362 मेडिकल कॉलेज (एमसी) हैं जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।इन स्वास्थ्य सेवा अवसंरचनाओं को एससी में 2,39,911 स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरुष + महिला), पीएचसी में 40,583 डॉक्टर/चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी में 26,280 विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी, तथा एसडीएच और डीएच में 45,027 डॉक्टर और विशेषज्ञ द्वारा संचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, देश भर में पीएचसी में 47,932 स्टाफ नर्स, सीएचसी में 51,059 नर्सिंग स्टाफ तथा एसडीएच और डीएच में 1,35,793 पैरामेडिकल स्टाफ हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट (https://mohfw.gov.in/) प्रकाशन की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं: तुलनात्मक विश्लेषण : 2005 और 2023 के बीच और 2022 से 2023 के बीच स्वास्थ्य अवसंरचना और जनशक्ति की तुलना प्रदान करता है, प्रगति और अंतराल को उजागर करता है।जिला-वार डेटाः उप-केंद्र (एससी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), उप-जिला अस्पताल (एसडीएच), जिला अस्पताल (डीएच) और मेडिकल कॉलेज सहित स्वास्थ्य सुविधाओं का जिला-स्तरीय विवरण प्रदान करता है।

ग्रामीण, शहरी और जनजातीय फोकसः ग्रामीण, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों में अवसंरचना और जनशक्ति का विवरण, नीति नियोजन के लिए लक्षित अंतर्दृष्टि प्रदान करना।राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों का वर्गीकरणः राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रमुख स्वास्थ्य देखभाल प्रदर्शन सूचकांक के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है, जो लक्षित कार्यक्रमों में सहायता करते हैं। उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रमुख बातेंः त्वरित संदर्भ के लिए शुरुआत में मुख्य निष्कर्षों का सारांश दिया गया है।हितधारकों के लिए मार्गदर्शनः अवसंरचना और मानव संसाधन से जुड़ी कमियों की पहचान करके स्वास्थ्य देखभाल की योजना बनाने और प्रबंधन करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्रालय की अपर सचिव और मिशन निदेशक (एनएचएम) आराधना पटनायक और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 10 सितंबर : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने जनपद रुद्रप्रयाग में केदारनाथ विधानसभा के अंतर्गत सतेराखाल मंडल के दुर्गाधार स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में भाजपा के सदस्यता अभियान तथा आगामी केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव की रणनीति और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता अजय कुमार ने भाजपा सदस्यता अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने की अपील की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आगामी उपचुनाव की रणनीति तथा भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी सदस्यता अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करने का आव्हान किया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा के देशभर में 18 करोड़ से अधिक सदस्य है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह दशक उत्तराखंड का दशक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है,और प्रधानमंत्री मोदी बाबा केदारनाथ के अनन्य भक्त भी है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में वर्ष 2013 की आपदा के बाद केदारनाथ धाम में तेजी से विकास कार्य हुए है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि बीते जुलाई माह में रुद्रप्रयाग जिले के केदारनाथ क्षेत्र में भारी बारिश से हुए नुकसान के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेष सहायता राशि 9.08 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है। जिससे 05 हजार से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भरोसा जताते हुए कहा कि निश्चित ही आगामी केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव में भाजपा भरी मतों से विजयी होगी।

इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को समूह द्वारा तैयार किए गए बैग भेंट किया। इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग भरत चौधरी, आदित्य कोठारी, जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, मंडल अध्यक्ष त्रिलोचन भट्ट, राज्यमंत्री चंडी प्रसाद भट्ट, जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल, विक्रम कंडारी, जिला महामंत्री भारत भूषण सहित कई लोग उपस्थित रहे।

उत्तराखंड : अल्मोड़ा के तनुज बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 10 सितम्बर : द्वाराहाट के तनुज बिष्ट ने सीडीएस परीक्षा पास कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति प्राप्त की है। अब वे असम में आर्मी के इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट कोर में अपनी सेवाएं देंगे।

अल्मोड़ा जनपद के द्वाराहाट विकासखंड के तैली सुनौली के निवासी तनुज बिष्ट भारतीय सेना में अधिकारी बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। तनुज के पिता मनोहर सिंह बिष्ट रिटायर कैप्टन हैं, जबकि उनकी माता बसंती बिष्ट एएनएम स्वास्थ्य विभाग द्वाराहाट में सेवाएं दे रही हैं। तनुज की तीन बड़ी बहनें हैं जिनमें से दो की शादी हो चुकी है और तीसरी बहन संगीता बिष्ट कुमाऊँ इंजीनियरिंग कॉलेज द्वाराहाट में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

तनुज की प्रारंभिक शिक्षा कक्षा आठवीं तक आर्मी पब्लिक स्कूल बरेली से हुई। इसके बाद उन्होंने बारहवीं कक्षा की पढ़ाई शिव ज्योति कान्वेंट स्कूल कोटा, राजस्थान से की जहां उन्होंने कक्षा 10 और 12 में प्रथम श्रेणी में CGPA प्राप्त किया। फिर उन्होंने बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की डिग्री मनिपाल यूनिवर्सिटी से पूरी की। वर्ष 2022 में बिना किसी कोचिंग के तनुज ने सीडीएस परीक्षा पास की। बचपन से ही अपने पिता को सेना में सेवा करते हुए देखकर उनका सपना सेना में जाने का था। कंप्यूटर साइंस में डिग्री प्राप्त करने के बाद भी उन्होंने कई मल्टी-नेशनल कंपनियों के नौकरी प्रस्तावों को ठुकराते हुए देश सेवा के अपने जज्बे को पूरा करने का निर्णय लिया।

हरिद्वार के नए जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने दिखाई सख्त कार्यशैली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 10 सितंबर , जिले के नए जिला अधिकारी ने कमाम संभालने के बाद अपनी कार्यशैली का प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है. हरिद्वार के नए जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने सोमवार सुबह विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया. जिलाधिकारी ने 10:15 बजे से विभिन्न सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण कर कई अनियमितताएं पकड़ीं.डीएम ने मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय, जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय बेसिक तथा माध्यमिक, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय निरीक्षण के दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दर्शन सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अशोक वैद्य और प्रधान सहायक दीपक सैनी अनुपस्थित पाए गए. ड्राइवर मनवर सिंह नेगी भी गैरहाजिर थे.

इसके बाद जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बेसिक/माध्यमिक में छापा मारा. यहां औचक निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी महेश मैथानी अनुपस्थित पाए गए. जबकि 10:25 बजे जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर गौरव उप्रेती अनुपस्थित पाए गए.

जिलाधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों तथा कर्मचारियों का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं. जिलाधिकारी ने सष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचना सुनिश्चित करें. कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों एवं फरयादियों की पूरी शालीनता से समस्याएं सुनकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें. जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उनकी अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा. गौरतलब है कि 4 सितंबर की रात को उत्तराखंड सरकार ने बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया था. उसी दौरान कर्मेंद्र सिंह को हरिद्वार का जिलाधिकारी बनाया गया था.

उत्तराखण्ड शासन

"भारत रत्न"
पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त

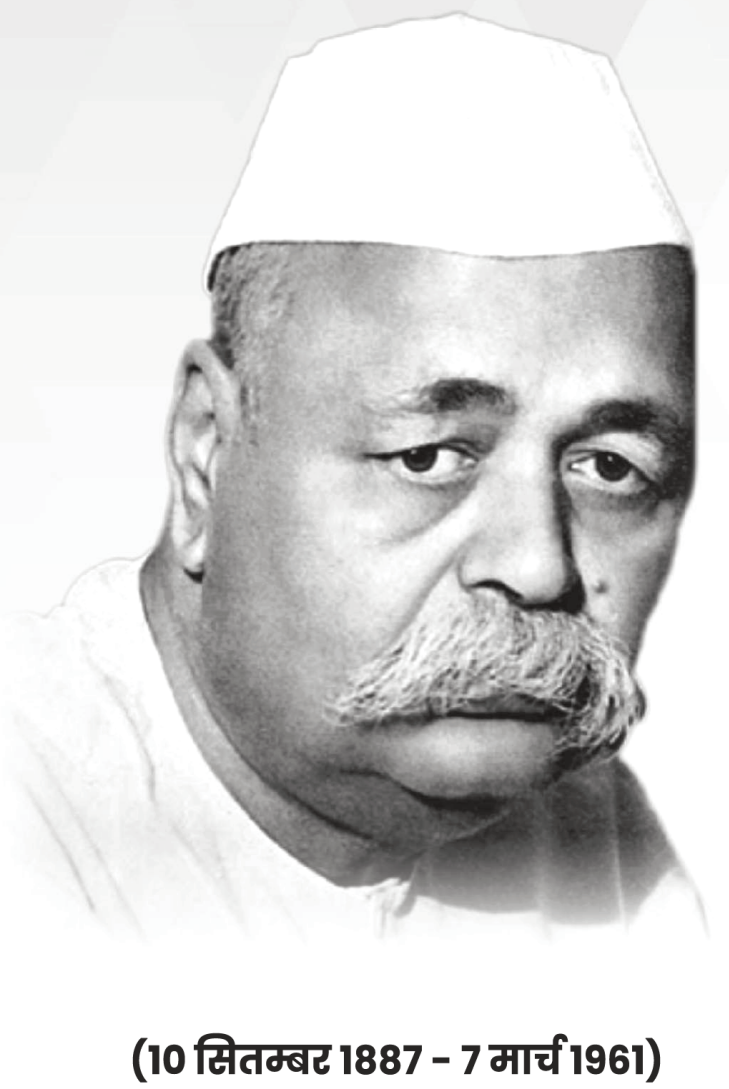

(10 सितम्बर 1887 - 7 मार्च 1961)

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं कुशल प्रशासक की जयंती पर

उत्तराखण्ड वासियों की ओर से शत्-शत् नमन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

उत्तराखंड में खुला सरकारी नौकरियों का पिटारा, 11 विभागों में 4400 पदों पर भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 सितम्बर : UKSSSC इस महीने 11 विभागों में 4,400 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। यह प्रक्रिया 15 सितंबर से आरंभ होगी। उत्तराखंड के युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है।

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 11 सरकारी विभागों में 4400 नई नौकरियों की भर्ती की घोषणा की है। इस प्रक्रिया की शुरुआत 15 सितंबर से होगी, जिसमें पुलिस और वन आरक्षी जैसे महत्वपूर्ण पदों के अलावा इंटर और स्नातक स्तर के पदों पर भी अवसर उपलब्ध होंगे। आयोग ने आवेदन से लेकर परीक्षा और परिणाम की पूरी योजना तैयार कर ली है।

प्रदेश सरकार ने हाल ही में 16,000 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक नौकरी देने का उदाहरण है। सीएम धामी ने चयनित युवाओं को नियुक्तिपत्र देकर उन्हें सम्मानित किया है। अब राज्य सरकार ने 11 विभागों में खाली पदों पर भर्ती करने का फैसला किया है। सीएम ने आयोग को पारदर्शिता और समय सीमा के भीतर भर्ती करने के निर्देश दिए हैं। आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया ने कहा कि सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली गई है और 15 सितंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

1. पुलिस आरक्षीः 2,000 पद
2. वन आरक्षीः 700 पद
3. इंटर स्तर के पदः सींचपाल, कनिष्ठ सहायक, राजस्व सहायक, मेट, कार्य पर्यवेक्षक - कुल 1,200 पद
4. वैयक्तिक सहायकः 280 पद
5. वैज्ञानिक सहायकः 50 पद
6. स्नातक स्तर के पदः 50
7. सहायक विकास अधिकारीः 40 पद
8. वाहन चालकः 25 पद
9. लाइब्रेरियनः 10 पद
10. प्राथमिक शिक्षक एसटीः 15 पद
11. आईटीआई ट्रेड्सः 35 पद

उत्तराखंड : होमस्टे चलाने वालों को उत्तराखंड की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 सितम्बर : पहले से बने भवनों के कमरों सुसज्जित करने के लिए 25,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी। इस योजना से न केवल पर्यटकों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तराखंड में ट्रैकिंग रूट्स और ट्रेकिंग ट्रेक्शन सेंटर के दो किलोमीटर के दायरे में होम स्टे के लिए नए भवन बनाने पर प्रति कमरे ₹60,000 का अनुदान मिलेगा।

बशर्ते भवन में शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी हों। पहले से बने भवनों के कमरों को सजाने के लिए ₹25,000 तक की मदद दी जाएगी। धामी सरकार की इस योजना का मकसद पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय निवासियों की भागीदारी बढ़ाना है, जिसे 'मेरी योजना-मेरी सरकार' कार्यक्रम के तहत लागू किया

गया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि इस योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिया जाय। यह योजना न केवल पर्यटकों और ट्रेकर्स के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगी और पलायन पर नियंत्रण लगाने में मदद करेगी। योजना के तहत भवनों के निर्माण में पहाड़ी और स्थानीय स्थापत्य शैली को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके साथ ही होम स्टे संचालकों के लिए अपने परिवार के साथ वहां रहना अनिवार्य होगा जिससे पर्यटक स्थानीय संस्कृति से जुड़ सकेंगे।

उत्तराखंड में 200 नदियां पुर्नजीवित और तीन सौ बुग्याल होंगे संरक्षित : वन मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने पहाड़ों में छोटी नदी, नालों और गधेरों पर मंडरा रहे अस्तित्व के खतरे पर चिंता जताते हुए उन्हें पुनर्जीवित करने के सरकार के संकल्प को दोहराया है। हिमालय दिवस पर नगर निगम सभागार में आयोजित हिमालय बचाओ अभियान कार्यक्रम में वन मंत्री ने कहा कि सरकार तकरीबन 200 छोटी नदियों, नालों, चाल-खाल के साथ ही साढ़े तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित करीब 300 बुग्यालों का संरक्षण करेगी। वन मंत्री ने हिमालय बचाओ अभियान को लेकर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के राज्य स्तर के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया। वन मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि, पहाड़ में आम आदमी व जीवनशैली से सांस्कृतिक, पर्यावरणीय रुप से जुड़े वनों पर मंडरा रहे खतरे को सरकार भी महसूस करती है।

हमारा जल भंडार तेजी से खत्म हो रहा है। बिना हिमालय, गंगा और वनों के मानवता की कल्पना भी मुश्किल है। ये नहीं रहे तो मानवता भी नहीं रहेगी। अनियंत्रित विकास ने हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण पर गंभीर संकट खड़ा किया है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। बर्फबारी में कमी आ रही है। पहाड़ में नदी, झरने, वन और गंगा नहीं रहेगी तो मानव जीवन भी नहीं रहेगा। 'जीरो वाटर कैपिटल के रुप में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर का उदाहरण दिया। जहां लोग भूगर्भ जल के खत्म होने की कगार के चलते अभूतपूर्व पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरुक करने के लिए जनसहभागिता जरुरी है। हमें वनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी के भाव को बढ़ाना होगा। ग्लोबल वार्मिंग समाज के हरेक तबके के लिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है। पॉलीथिन का दुष्प्रभाव बढ़ता जा रहा है। इस पर अंकुश के लिए सामूहिक जागरण की जरुरत है। हिमालय बचाओ अभियान के तहत इस मुहिम को लगातार जारी रख रहा है। जन सहभागिता के इस तरह के कार्यक्रम समाज को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

हिन्दुस्तान हिमालय बचाओ अभियान के तहत 'हिमालय की चुनौतियां विषय पर राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के विजेता भी सोमवार को देहरादून नगर निगम टाउन हॉल में सम्मानित किए गए। विजेताओं का फैसला तीन दिवसीय निर्णायक मंडल ने उत्तराखंड के 13 जिलों के 13 विजेताओं के वीडियो भाषण के आधार पर किया।

प्रथम- भूमिका भाकुनी, कक्षा-12, ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल अल्मोड़ा

द्वितीय- सरस्वती, कक्षा-12, पीएम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राजपुर रोड, देहरादून

तृतीय- अभिनव कार्की, कक्षा-12, डॉन बॉस्को स्कूल पिथौरागढ़

तृतीय- शिवानी खर्कवाल, कक्षा-12, यूनिवर्सल इंटर कॉलेज चंपावत

उत्तराखंड में समूह शिक्षक बनाने का झांसा देकर 4 लोगों से 50 लाख रुपए की ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधमसिंह नगर 10 सितम्बर : मुनी वेलफेयर सर्विस ने ग्रामीणों को समूह अध्यापक बनाने का लालच देकर उनसे 50 लाख रुपये से अधिक की ठगी की। अदालत के आदेश पर पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया है। उधमसिंह नगर जनपद के गांव कासमपुर के निवासी राजेंद्र सिंह ने एक रिपोर्ट दर्ज करवाई है, जिसमें उन्होंने बताया कि गांव उमरपुर के निवासी मक्खन सिंह ने मनी वेलफेयर सर्विस के माध्यम से उन्हें समूह अध्यापक बनाने का झांसा दिया।

इसमें मीनाक्षी चौहान, प्रवेश देवी, रवि कुमार और मीनाक्षी शामिल थे। मक्खन सिंह ने प्रति माह 4 हजार रुपये पंजीकरण शुल्क और 3600 रुपये सिक्योरिटी जमा कराने को कहा। इसके बदले में उन्होंने बताया कि उन्हें 3-3 बच्चों को पढ़ाना होगा और हर महीने 800 रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे साथ ही नौकरी भी लगवाने का वादा किया

गया। आरोपी मक्खन सिंह ने सभी के ऑनलाइन समूह अध्यापक केंद्र खुलावाए। सभी ने मक्खन सिंह को 50 लाख रुपये से अधिक की रकम उसे दे दी। मक्खन ने दो महीने में बोनस आने की बात कही थी। हालांकि जब ग्रामीणों ने अपनी रकम जमा करने के बाद दो महीने में बोनस मिलने की उम्मीद की तो उन्होंने देखा कि मुनी वेलफेयर सर्विस की वेबसाइट बंद हो चुकी थी और मक्खन सिंह का फोन भी बंद था। कोतवाल हरेंद्र चौधरी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

विहिप की जागरूकता को लेकर निकाली आक्रोश रैली में उमड़े लोग

रुद्रप्रयाग। नंदानगर चमोली की घटना की पुनरावृत्ति रोकने और पहाड़ के लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व हिन्दू परिषद ने सोमवार को रुद्रप्रयाग नगर में आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान बड़ी संख्या में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बाहरी लोगों की गहनता से सत्यापन करने की मांग की। साथ ही स्थानीय लोगों, महिला और ग्रामीणों से जागरूक रहने की अपील की। इस मौके पर कोटेश्वर के महंत शिवानंद गिरी, बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल खन्ना, विहिप मातृ शक्ति की संयोजिका अनीता भट्ट सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

विहिप की जागरूकता को लेकर निकाली आक्रोश रैली में उमड़े लोग

रुद्रप्रयाग। नंदानगर चमोली की घटना की पुनरावृत्ति रोकने और पहाड़ के लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व हिन्दू परिषद ने सोमवार को रुद्रप्रयाग नगर में आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान बड़ी संख्या में विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बाहरी लोगों की गहनता से सत्यापन करने की मांग की। साथ ही स्थानीय लोगों, महिला और ग्रामीणों से जागरूक रहने की अपील की। इस मौके पर कोटेश्वर के महंत शिवानंद गिरी, बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल खन्ना, विहिप मातृ शक्ति की संयोजिका अनीता भट्ट सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

जिलाधिकारी देहरादून ने किया जिला समाज कार्यालय का औचक निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल ने आज जिला समाज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी प्रातः 09.55 बजे सर्वे चौक स्थित जिला समाज कल्याण कार्यालय पंहुचे। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही पेंशन सहित अन्य योजनाओं की ब्लॉक वार जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की स्थिति का अवलोकन भी किया। साथ ही, जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी योजना का आवेदन 07 दिन से अधिक लम्बित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए।

आवेदन लंबित रखने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण कार्यालय में आने वाले लोगों से वार्ता भी की, उनकी समस्या सुनते हुए समाज कल्याण अधिकारी को शाम तक समस्या का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें इसके लिए पेंशन सम्बन्धी व अन्य प्रकरणों पर कोई भी आवेदन एक सप्ताह से अधिक लंबित ना रहे। आवेदन में कमियां पाए जाने की सूचना आवेदक को समय पर उपलब्ध कराते हुए कमियां दूर करते हुए अग्रिम प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए। जिलाधिकारी ने सिस्टम ऑनलाईन होने के बावजूद योजनाओं के आवेदनों 15 से 18 दिन की पेंडेंसी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आवेदनों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी की पेंशन योजना के आवेदन 7 दिन से अधिक लंबित रखने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने समाज कल्याण कार्यालय में अभिलेखों का ठीक से रख रखाव न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, अभिलेखों का उचित रखरखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम अनुसूचित जाति अनुदय ऋण योजना के आवेदन की जानकारी लेते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर समन्वय करते हुए निर्देशों से अवगत करा दिया जाए, कि किसी भी योजना का आवेदन निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें तथा अभिलेखों का रखरखाव ठीक प्रकार से किया जाए। साथ ही निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर के कार्यालय के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने

निर्देश दिए कि ऑफलाइन प्राप्त होने वाले आवेदनों पर प्राप्ति तिथि अंकित हो तथा अभिलेखों का विवरण उल्लिखित हो। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर हरी गिरी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की मुक्केबाज दीपाली बनीं पहली एशियाई स्कूल चैंपियन छात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 सितम्बर : युवा मुक्केबाज दीपाली थापा ने एशियाई चैंपियनशिप में भारत का नाम रोशन करते हुए पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनने का गौरव प्राप्त किया। इस सफलता के साथ भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में चल रही प्रतियोगिता में कुल सात महिला खिताब अपने नाम किए।एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का खिताब नैनीताल की दीपाली थापा ने अपने नाम किया।

बीते दिन अबू धाबी में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में, दीपाली ने यूक्रेन की ल्यूडमिला वासिलचेंको को हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में 25 देशों के खिलाडियों ने भाग लिया था। कोच अजय कुमार ने बताया कि दीपाली ने पहले नोएडा में आयोजित सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता जिसके

बाद उनका चयन इंडिया कैंप में हुआ।इसके बाद उन्होंने आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट पुणे में प्रशिक्षण लिया और एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि वर्ष 2019 में कोरोना महामारी के कारण दीपाली खेल महाकुंभ में भाग नहीं ले सकीं, लेकिन अगले वर्ष उन्होंने राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया और हल्द्वानी में फेडरेशन के ट्रायल्स में सफल होकर राष्ट्रीय स्तर पर चैंपियन बनीं। उनकी इस सफलता से खेल प्रेमियों में ख़ुशी का माहौल है।

महिलाओं व बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए पौड़ी पुलिस है संवेदनशील

■ रात्रि में भटक रही 85 वर्षीय बुजुर्ग माता जी को पौड़ी पुलिस ने सरकारी वाहन से सकुशल घर छोड़कर निभाया अपना फर्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 10 सितम्बर : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी गढ़वाल लोकेश्वर सिंह द्वारा समस्त कार्मिकों को दैनिक ड्यूटियों के साथ-साथ मानवतावदी कार्य करने हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में देर रात्रि को पौड़ी पुलिस जब गश्त ड्यूटी कर रही थी तो एजेन्सी चौक के पास एक बुजुर्ग माता जी परेशान हालत में इधर उधर घूमती दिखाई दी।

पुलिस टीम द्वारा बुजुर्ग माता जी को सुरक्षा की दृष्टि से थाने पर लाकर वार्ता की गयी बुजुर्ग माता जी ने अपना नाम सतीश्वरी देवी, निवासी ग्राम बहेली, सत्यखाल जनपद पौड़ी गढ़वाल बताया साथ ही बताया कि पौड़ी बाजार किसी काम के लिये आयी थी और मुझे घर जाने के लिए कोई साधन नहीं मिला जिस पर में यहीं रहने का ठिकाना ढूंढ

रही थी। जिस पर पुलिस टीम द्वारा मानवता का परिचय देते हुए देर रात्रि होने के कारण थाने के सरकारी वाहन से बुजुर्ग माता जी को उनके घर ग्राम बहेड़ी सत्यखाल जो कि पौड़ी से 12 कि0मी0 की दूरी पर है उनके घर ले जाकर उनके पुत्र जयदीप सिंह के सकुशल सुपुर्द किया गया। उनके बेटे द्वारा बताया गया कि उनकी माता जी याददाश्त ठीक नहीं है और वह घर से बिना बताए कहीं भी चली जाती है। पौड़ी पुलिस द्वारा की गयी इस कार्यवाही की परिजनों द्वारा प्रशंसा कर आभार प्रकट किया गया। पुलिस टीमः- 1. म0 उप निरी लक्ष्मी जोशी 2. मुख्य आरक्षी दिनेश नेगी 3. मुख्य आरक्षी दलीप 4. रिक्रूट कांस्टेबल साकेत

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने प्रेसवार्ता कर अपनी प्राथमिकताएं बताई

चमोली। नवागत जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता करते हुए मीडिया को अपनी प्राथमिकताएं बताई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समन्वय से जन कल्याणकारी योजनाओं को सीमांत क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा। जनता की जो भी शिकायत है, उसमें रिस्पांस टाइम को कम से कम करते हुए शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जाएगा। बद्रीनाथ मास्टर प्लान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति को लेकर मीडिया के सवालों पर जिलाधिकारी ने बताया कि मास्टर प्लान के कार्य अच्छी प्रगति के साथ चल रहे है। पहले चरण में गुणवत्ता के साथ करीब 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो गए है। जन भावना के दृष्टिगत आस्था पथ का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। नदी का जल स्तर कम होने पर दूसरे चरण के काम भी जल्द शुरू किए जाएंगे। चारधाम यात्रा की दूसरे चरण और बरसात में क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति पर जिलाधिकारी ने कहा कि जहां पर भी यात्रा मार्ग संवेदनशील बना है उसको जल्द से जल्द ठीक कराया जाएगा। भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए जाएगें और चारधाम यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से संचालित कराया जाएगा। प्रेसवार्ता में वरिष्ठ पत्रकार क्रांतिभट्ट, देवेन्द्र रावत, रजपाल बिष्ट, प्रमोद सेमवाल, शेखर रावत, जगदीश पोखरियाल, पुष्कर चौधरी, विनोद रावत, महानंद बिष्ट, संदीप कुमार, मनोज बिष्ट, सुरेन्द्र गडिया, अर्जुन सिंह आदि मौजूद थे।

इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू

चमोली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार जनपद चमोली के नवनियुक्त 27 प्राविधिक (पीएलवी) कार्यकर्ताओं का इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो गया है। मा0 जिला जल धर्म सिंह ने इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री छवी बंसल, न्यायिक मजिस्ट्रेट गोस्पेश्वर नवल कुमार, मुख्य कानूनी सहायक परामर्शदाता समीर बहुगुणा, रिटेनर एडवोकेट श्रीमती रेजा चौधरी, पैनल अधिवक्ता ज्ञानेंद्र खंतवाल मौजूद रहे। इस अवसर पर सिविल जज (सीडी)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली के लिए माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 100 प्राविधिक कार्यकर्ताओं के चयन हेतु निर्देशित किया गया है जिसमें से वर्तमान समय तक 60 प्राविधिक कार्यकर्ता कार्यरत हैं और 27 प्राविधिक कार्यकर्ता की इंडक्शन ट्रेनिंग के उपरांत कार्य करने हेतु नियुक्त किया जाएगा जबकि अभी भी 20 प्राविधिक कार्यकर्ता की कमी है जो जल्द ही दूर की जाएगी। निकट भविष्य में राजनीतिक कार्यकर्ताओं की प्राविधिक कार्यकर्ताओं की भर्ती की जाएगी। जो कि जनपद के द्वारा क्षेत्र में कार्य करेंगे और समाज में विधिक जानकारी देंगे।

बदरीनाथ धाम में जनभावन के दृष्टिगत शुरू हुआ पौराणिक कुबेर गली ठीक करने का काम

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशों पर बद्रीनाथ धाम में पौराणिक आस्था पथ कुबेर गली की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। बरसात में मलबा आने से पुराना आस्था पथ क्षतिग्रस्त हो गया था। विगत रविवार को बद्रीनाथ धाम में निरीक्षण के दौरान तीर्थ पुरोहितों ने यह समस्या जिलाधिकारी के समक्ष रखी थी। जिलाधिकारी ने जनभावना को देखते हुए कार्यदायी संस्था को तत्काल प्रभाव से पुराने आस्था पथ कुबेर गली को ठीक करने के निर्देश दिए थे। ताकि भगवान के विग्रह का रास्ता सुचारू रहे। इस पर कार्यदायी संस्था ने सोमवार से ही आस्था पथ ठीक करने का काम शुरू कर दिया है। हालांकि नदी का जल स्तर कम होने के बाद यहां पर अभी हेवी मशीनरी से रिवर फ्रंट डेवलपमेंट और पौराणिक कुबेर गली का स्थायी रूप से निर्माण किया जाना है। लेकिन जनभावना के दृष्टिगत आस्था पथ को प्राथमिकता पर ठीक कराया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर कार्यदायी संस्था ने यहां पर आस्था पथ ठीक करने का काम शुरू कर दिया है।

नवागत डीएम ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों एवं विभागों का किया निरीक्षण

चमोली। नवनियुक्त जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों एवं विभागों का निरीक्षण कर कमियों से परिचय और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित सभी कार्यालय कक्ष एवं परिसर मे बेहतर साफ-सफाई रखी जाए। रिकार्ड रूम एवं सभी पटलों पर अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित रखा जाए। जिला पूर्ति कार्यालय में निष्प्रोज्य सामान एवं विद्युत लाइन को ठीक करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित निर्वाचन कार्यालय के समीप कूडा कागज जलाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों का चालान करने के निर्देश दिए।

एमवे ने चार अनुसंधान और प्रयोगशालाओं के लिए $4 मिलियन का निवेश किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 सितंबर , स्वास्थ्य और खुशहाली में अत्याधुनिक, अगली पीढ़ी का समर्थन प्रदान करने के लिए अपनी वैज्ञानिक क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वैश्विक स्वास्थ्य और खुशहाली समर्थक कंपनी के रूप में, एमवे ने 4 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ औपचारिक रूप से भारत भर में अपनी चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) प्रयोगशालाओं की शुरुआत की। उन्नत प्रौद्योगिकी, समकालीन विज्ञान और वैज्ञानिक विचार नेतृत्व का उपयोग करके, ये प्रयोगशालाएं सुरक्षित, प्रभावी, विशिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य और खुशहाली के उत्पादों को विकसित करके उद्योग मानकों को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार हैं, जिनका उद्देश्य भारत और दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य और खुशहाली का समर्थन करना है। यह दुनिया भर में एमवे के चार अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्रों में से एक है और इसमें पोषण विज्ञान पर भारी ध्यान दिया गया है। यह रणनीतिक कदम एमवे के उपभोक्ताओं की बदलती स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयासों के अनुरूप है, जो लाखों लोगों को मनचाही खुशहाली प्राप्त करने में समर्थ बनाता है और सभी के लिए स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देता है।

एमवे की गुरुग्राम, चेन्नई, बैंगलोर और दिंडीगुल में स्थित चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएँ कुल मिलाकर 24,700 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र पर फैली हुई हैं। ये वैज्ञानिक खोज और अभिनव उत्पाद विकास का शक्तिशाली केंद्र बनाती हैं।

एमवे इंडिया के व्यावसायिक दृष्टिकोण से इस निवेश के बारे में बात करते हुए, एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक राजनीश चोपड़ा ने

कहा, ₹भारत में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, क्योंकि यहाँ का स्वास्थ्य परिदृश्य पोषण, जीवनशैली और पेट के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह निवेश एमवे इंडिया की उत्पाद विकास क्षमताओं को बढ़ाता है और एमवे को भारत और दुनिया भर में अपने उपभोक्ताओं और व्यवसायों की विशिष्ट और उभरती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए तैयार करता है। भारत, वैश्विक स्तर पर हमारे शीर्ष प्राथमिकता वाले बाजारों में से एक है और यह निवेश स्वास्थ्य और खुशहाली के क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचार को आगे बढ़ाने में देश की विशेषज्ञता और क्षमता पर एमवे ग्लोबल के विश्वास को उजागर करता है।

पिछले एक चौथाई सदी से अधिक समय से, एमवे इंडिया ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली जीने में मदद करके उनका Bविश्वास अर्जित किया है। स्वस्थ राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में हम अपने वितरकों को सशक्त बनाना चाहते हैं, ताकि वे जीवनकाल की तुलना में स्वस्थ जीवनकाल (हेल्थस्पैन) को प्राथमिकता देते हुए लाखों भारतीयों के जीवन को बेहतर बना सकें। हम आवश्यकता-आधारित सिफारिशें प्रदान करने के लिए हमेशा नवाचार करने के प्रयास करते रहते हैं, और हमने देखा है कि आपकी स्वास्थ्य और खुशहाली की यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण तत्व मजबूत पाचन तंत्र है, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और इम्युनिटी से भी जुड़ा हुआ है। अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएँ वैज्ञानिक रूप से समर्थित पहलों को आगे बढ़ाने में सहायता करेंगी, जैसे कि 'मॉर्निंग न्यूट्रिशन' - एक समग्र अभियान जो स्वस्थ जीवनशैली का समर्थन करता है और व्यक्तियों को अपने दिन की शुरुआत अच्छे पोषण के साथ करने में मदद करता है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली बनाए रख सकें। हम भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप सभी के लिए स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। यह रणनीतिक निवेश हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमारे आत्मविश्वास को मजबूत करता है, साथ ही स्वास्थ्य और खुशहाली उद्योग में हमारी अग्रणी स्थिति को और सुदृढ़ करता है,₹ श्री चोपड़ा ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा।

भारत में अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं की शुरुआत करते हुए, एमवे के भारत और दक्षिण पूर्व एशिया बाजारों के नवाचार और विज्ञान निदेशक डॉ. श्याम रामकृष्णन ने कहा, ₹दुनिया भर में स्वास्थ्य, कल्याण और पोषण के बारे में बढ़ती जागरूकता के जवाब में, अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में किया गया यह निवेश वैश्विक बाजारों में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। महत्वपूर्ण बात यह है कि, यह हमारे वैश्विक बहु-वर्षीय विकास दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो विभिन्न आयु समूहों की बदलती जरूरतों के अनुसार हर किसी के स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए लगातार सिफारिशें प्रदान करने पर केंद्रित है। भारत में एक नवाचार केंद्र होने से हमें यहाँ से प्रतिभाशाली लोगों को पा सकते हैं जो हमारे मिशन में हमारी मदद करेंगे और सभी की स्वास्थ्य और खुशहाली में सकारात्मक और महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनने के भारत के लक्ष्य में सहायता मिलेगी। साठ से अधिक वर्षों से, अपने वितरकों और उनके ग्राहकों के लिए लगातार नवाचार करते हुए एमवे ने विज्ञान का उपयोग करके नए और रोमांचक उत्पाद बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमारे पास भारत और दुनिया भर में ऐसे प्रतिभाशाली लोग हैं जो विशेष खाद्य पदार्थ, पोषण और सौंदर्य उत्पाद बनाने में हमारी मदद करते हैं। ये उत्पाद विशेष रूप से भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के लोगों, और जहां तक हो सके दुनिया भर के अन्य स्थानों के लोगों के लिए भी अच्छा परिणाम देने की बात ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं। हम लोगों को खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि हमारा यह कदम विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आगे रखते हुए हमें और भी बेहतर और बेहतरीन विचारों के साथ प्रस्तुत होने में मदद करेगा। इससे पता चलता है कि हम लोगों को पसंद आने वाले शानदार और रोमांचक उत्पाद बनाकर एमवे को भविष्य के लिए तैयार करना चाहते हैं!"

एमवे आधुनिक पोषण, स्वास्थ्य और खुशहाली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों में नवाचारी, प्लांट बेस्ड फार्मूलेशन प्रदान करने के लिए समर्पित रहकर काम कर रही हैः स्वस्थ वजन, स्वस्थ सौंदर्य, फिटनेस और उम्र बढ़ने के दौरान स्वास्थ्य बनाए रखना। उत्पादों में पर्यावरण अनुकूल अवयवों को ही शामिल करने और सस्टेनिबिलिटी पर जोर देते हुए, विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ शोधकर्ताओं की एक टीम तरह-तरह के समाधानों के विकास को तेज गति देगी। ये अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं उन्नत प्रौद्योगिकी और उपकरणों, प्लांट-बेस्ड (वनस्पति-आधारित) नवाचारों, नवीनतम पैकेजिंग प्रौद्योगिकी और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित हैं ताकि एमवे के उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित किया जा सके, साथ ही साथ बौद्धिक संपदा विकास और पेटेंट पाने के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके।भारत में अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं के किया गया यह निवेश स्थानीय और वैश्विक दोनों बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा, जो नवाचारी विचारों, उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, परीक्षण और सत्यापन में कंपनी के प्रयासों को बढ़ाएगा। ये प्रयोगशालाएं पोषण और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए पौधों से मिलने वाले अच्छी गुणवत्ता के अवयवों का उपयोग करके खाद्य, गोलियों के रूप में दवाइयों (प्रोटीन आदि ओरल सॉलिड्स), सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल जैसे उत्पादों के निर्माण और परीक्षण पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

राज्य मे सर्वाधिक रोजगार देने वाले सीएम धामी ने पेश की नजीर : मनवीर चौहान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 सितंबर, भाजपा ने प्रदेश मे सर्वाधिक रोजगार देकर युवाओं के स्वर्णिम भविष्य निर्माण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का प्रदेशवासियों की तरफ से आभार व्यक्त किया है। साथ ही नई 4400 सरकारी नियुक्तियों को धामी सरकार की उपलब्धियों की श्रृंखला की एक और कड़ी बताया है।

पार्टी मुख्यालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों को लेकर सीएम धामी के नेतृत्व में सरकार नित नए नए आंकड़े छू रही है । वर्तमान सरकार का कार्यकाल तथा राज्य में अब तक सबसे अधिक सरकारी नियुक्ति देने का है ।

अब यूकेएसएससी की नई भर्ती प्रक्रिया से धामी सरकार अपने ही पिछली उपलब्धि से बड़ी लकीर खींचने जा रही है। विभिन्न विभागों के लिए होने वाली 4400 पदों की यह भर्ती प्रक्रिया, राज्य के युवाओं को अपनी योग्यता साबित करने का सुनहरा अवसर देगी। साथ ही कहा कि वह भाजपा सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति ही थी कि देश का सबसे सख्त नकल निरोधक कानून लाया गया। जिसके कारण युवाओं के सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए पारदर्शी एवं समान अवसर प्रदान किया जा रहा है। आज राज्य में निष्पक्ष एवं ईमानदार नियुक्ति परीक्षा में हजारों युवा सफल होकर सरकारी नौकरियों में

कार्यरत हुए हैं । मुख्यमंत्री धामी अपने इस योगदान के कारण सर्वाधिक सरकारी नौकरी देने वाले प्रदेश के मुखिया बन गए हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में उनकी रोजगार प्रदान करने की ऐसी कोशिशों से विकसित उत्तराखंड का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों की उम्मीदों पर खरा उतरकर सीएम धामी ने एक नजीर भी रखी है। सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र मे उनका भागीरथ प्रयास अद्वितीय है। उन्होंने सवा करोड़ उत्तराखंडवासियों की तरफ से मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी हैं ।

संक्षिप्त खबरें

बदरीनाथ यात्रा के लिए अलग एसओपी बने

चमोली। धर्म, संस्कृति एवं पर्यटन प्रकोष्ठ भाजपा के पूर्व प्रदेश संयोजक टीका मैखुरी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर होटल व्यवसाय और चारधाम से जुड़े व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान रात्रि को चलने वाले यात्री वाहन रात्रि 9 बजे से सुबह 4 बजे तक प्रतिबंधित किए जाए। ज्ञापन में यात्रा प्रारंभ के मई-जून में चारों धामों की परिस्थिति के अनुकूल यात्रियों की संख्या निर्धारित किए जाने और बद्रीनाथ यात्रा के लिए अलग एसओपी बनाई जाने की मागं की गई है।

ठेकेदारों ने लोनिवि के अधिकारी को सौपा ज्ञापन

चमोली। दुर्गादेवी ठेकेदार संघ गैरसैंण ने सोमवार को लोनिवि कार्यालय में बैठक करते हुए ठेकेदारी के पंजीकरण में कई जटिलताएं प्रारंभ करने एवं रॉयलटी की दरें दुगुनी किये जाने के विरोध में लोनिवि के अधिशासी अभियंता जगदीश प्रसाद थपलियाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में संरक्षक हरेन्द्र कंडारी और उपाध्यक्ष सोवन शाह ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं उनका संगठन निविदाओं का बहिष्कार जारी रखेगा। इस अवसर पर दिनेश पुरोहित, पृथ्वी सिंह, कुंदन बिष्ट, अनिल सिंह, राम सिंह, किशन भंडारी,भूपाल सिंह, अमर सिंह, वीरेन्द्र सिंह आदि कई ठेकेदार शामिल रहे।

तीसरे दिन खुला बार्डर हाईवे, आवाजाही हुई शुरू

चमोली। जोशीमठ नगर से लगभग 35 किलोमीटर आगे नीती मलारी बार्डर हाईवे तीसरे दिन यातायात के लिए खुल गया है। बीते शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे पहाड़ी टूटने के कारण हाईवे बंद हो गया था। सड़क खुलने के बाद दोनों और पिछले तीन दिनों से फंसे दर्जनों वाहन आर पार हुए। बता दें कि लाता से 2 किलोमीट आगे बार्डर हाईवे में पहाड़ी का एक बड़ा भाग टूटकर आ गया था। शुक्रवार सुबह लगभग 6 बजे यहां पर पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा टूटा जिसके बाद बीआरओ ने अपनी मशीनों की सहायता से शुक्रवार पूरे दिन यहां पर बोल्डर हटाने का काम जारी रखा। कुछ सड़क साफ भी हो गई थी कि शनिवार को दोहपर में एक बार फिर से यहां पर पहाड़ी टूटने के कारण सड़क शनिवार को भी बहाल नहीं हो सकी। जिसके बाद बीआरओ ने दोनों ओर से मशीने लगाकर पहाड़ी से आये बोल्डरों को तोड़ना शुरू किया व यहां पर बड़ी-बड़ी चट्टानों को हटाने के लिए कुछ कन्ट्रोल ब्लास्टिंग भी की गई। जिसके बाद रविवार शाम पौने चार बजे लगभग यहां पर बीआरओ ने वैकल्पिक रूप से सड़क को सुचारू कर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी है। सूकी भलागांव के प्रधान लक्ष्मण बुटोला ने बताया कि सड़क खुलने के बाद नीती मलारी घाटी के 20 से अधिक गांव समेत बार्डर में सैन्य छावनियों की आवाजाही शुरू हो गई है। कहा कि अभी भी यहां पर सड़क काफी खराब स्थिति में है।

पौड़ी में छात्र और शिक्षकों ने ली हिमालय प्रतिज्ञा

पौड़ी। हिमालय बचाओ अभियान के तहत सोमवार को विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिमालय प्रतिज्ञा की। साथ ही बाह्मण समाज समिति ने भी हिमालय प्रतिज्ञा की। पंडित सुरेश चंद्र बड़थ्वाल ने हिमालय प्रतिज्ञा करवाई। बीआर मॉर्डन स्कूल पौड़ी में हिन्दुस्तान हिमालय क्लब की अध्यक्ष एवं तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित सावित्री ममगाईं ने छात्र-छात्राओं को हिमालय प्रतिज्ञा करवाई। इस मौके पर स्कूल परिसर में पौधरोपण भी किया गया। डिग्री कॉलेज रिखणीखाल में भी सोमवार को हिमालय दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिसमें प्राचार्य मनोज उप्रेती और डॉ भारती ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए हिमालय प्रतिज्ञा करवाई। इंटर कॉलेज इंदिरापुरी में छात्र - छात्राओं व शिक्षकों ने हिमालय प्रतिज्ञा की। साथ ही स्कूल में एक गोष्ठी का भी आयोजन हुआ। जिसमें शिक्षक कुलदीप थपलियाल ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरणीय खतरों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। बताया कि मानवजनित गतिविधियों की वजह से ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी चुनौति बन रहा है। कहा कि हम सभी को अपने स्तर पर पर्यावरण को बचाने के छोटे ही सही पर प्रयास करने जरूरी है। इस मौके पर विनीता भट्ट, सुंदरलाल, शुकल सिंह, रोशन गौड़ ,सुमन बमोला, रितिक पांडे आदि मौजूद रहे।

भवन मानचित्र को लेकर लोक अदालत आज

पौड़ी। कमिश्नर गढ़वाल के निर्देशों पर जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण पौड़ी में लंबित भवन मानचित्रों के निस्तारण को लेकर मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार पौड़ी में डीएम की अध्यक्षता में लोक अदालत आयोजित की जाएगी। एडीएम पौड़ी ईला गिरी ने बताया कि लोक अदालत शाम साढ़े 4 बजे से लगेगी। जिन लोगों के नक्शे संबंधी मामले प्राधिकरण में लंबित हैं वह अपने दस्तावेजों के साथ इस बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। ताकि उनके मामलों का निस्तारण किया जा सके।

रांसी स्टेडियम में शुल्क में छूट देने की उठाई मांग

पौड़ी। युवा कांग्रेस पौड़ी ने सोमवार को विभिन्न मांगों को लेकर जिला क्रीड़ा अधिकारी को ज्ञापन दिया। इस दौरान युवा कांग्रेस के सदस्यों ने स्थानीय लोगों को रांसी स्टेडियम के शुल्क में छूट देने सहित विभिन्न मांग उठाई। सोमवार को जिला क्रीड़ा अधिकारी को ज्ञापन देते हुए युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहित सिंह और प्रदेश महासचिव आशीष नेगी ने कहा कि रांसी स्टेडियम व इंडोर में होने वाली विभिन्न खेलो की फीस में छूट प्रदान की जाए।

संपादकीय

पैरा खिलाड़ी भी महानायक

पेरिस पैरालंपिक खेल महाकुंभ, 2024 भी सम्पन्न हुआ, लेकिन भारत के लिए यादगार बन गया। भारतीय पैरा खिलाडियों ने कीर्तिमानों, उपलब्धियों और पदकों के 'अभूतपूर्व अध्याय' रच दिए। 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में भारत ने 5 स्वर्ण पदक समेत कुल 19 पदक हासिल किए थे, लेकिन इस बार 10 अधिक पदक जीते हैं। ये खिलाड़ी सामान्य प्राणी नहीं हैं। वे दिव्यांग हैं, आधे-अधूरे और असहाय हैं, लेकिन उनके भीतर करिश्मों वाला कोई फरिश्ता मौजूद है। विकलांग होने के बावजूद उन्होंने दिव्यता के साथ सफलताएं अर्जित की हैं, नतीजतन भारत पहली बार 20 शीर्ष देशों की जमात में शामिल हुआ है। पेरिस पैरालंपिक में भारत 7 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य पदक, यानी कुल 29 पदक जीत कर 18वें स्थान पर रहा है। चुनौतियां और मुकाबले पैरा खिलाडियों के लिए भी उतने ही कांटेदार थे, जितने सामान्य अंगी, सशक्त, मजबूत ओलंपिक खिलाडियों के लिए थे, लेकिन ओलंपिक में झोली 'स्वर्णहीन' रही, एक रजत और 5 कांस्य, यानी कुल 6 पदक ही हम जीत सके और 71वें स्थान पर रहे। हमने उस प्रदर्शन का भी अभिनंदन किया और देश भर में खिलाडियों के सम्मान किए गए। करोड़ों के इनाम घोषित किए गए। भारत ने अपने खिलाडियों को सिर-आंखों पर बिठाना सीख लिया है। हालांकि सफलता, उपलब्धियों और राष्ट्रीय सम्मान की आपसी तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन पैरालंपिक में निशानेबाज अवनी लेखरा और भाला फेंक में सुमित अंतिल की दोहरी स्वर्णिम उपलब्धि को नजरअंदाज कैसे किया जा सकता है? दोनों टोक्यो पैरालंपिक के चैम्पियन थे और इस बार भी चैम्पियन बने हैं। सुमित ने 70.59 मीटर की दूरी तक भाला फेंक कर विश्व रिकॉर्ड भी कायम किया है। वह नीरज चोपड़ा का ही संस्करण लगता है। इसी श्रेणी में तीरंदाजी में हरविन्दर सिंह, बैडमिंटन में नितेश कुमार, ऊंची कूद में प्रवीण कुमार, क्लब थ्रो में धर्मबीर और छोटे कद वाले, भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह ने स्वर्णिम सफलताएं हासिल कर सोचने को बाध्य कर दिया है कि ये दिव्यांग खिलाड़ी देश के 'महानायक' क्यों नहीं हैं? वे भी 'तिरंगाधारक' और 'जन गन मन..' की वैश्विक गूंज हैं। वे ओलंपिक पदकवीरों की तरह लोकप्रिय और राष्ट्रीय सम्मान के पात्र क्यों नहीं हैं? उनकी सार्वजनिक पहचान ऐसी क्यों नहीं है कि उन्हें भी 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे लोकप्रिय मंचों पर आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए? कमोबेश देश देखे कि किन योद्धाओं ने विकलांगता से लड़ कर अंतरराष्ट्रीय गौरव हासिल किया है और भारत के मस्तक पर तिलक किया है! भारत दिव्यांग-मैत्री वाला देश नहीं है। यहां के सार्वजनिक जीवन में दिव्यांगों की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा बहुत कम है। 'दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार वाला कानून' 2016 में पारित किया जा चुका है। उसमें विशेष प्रावधान था कि पांच वर्षों में सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांग-मित्र बनाया जाए, लेकिन इसका क्रियान्वयन संतुष्टि से कोसों दूर है। केंद्र सरकार ने बजट भी कम कर दिया है। हैरत है कि निजी भवन और परिवहन प्रणाली, महानगरों और मेट्रों शहरों में भी, इस कानून को मानने को तैयार नहीं है। पैरा खिलाडियों ने इस व्यवस्था को भी सबक सिखाने का काम किया है। 2016 में हमने पैरालंपिक खेलों में शिरकत करना शुरू किया था। उससे पहले 2012 के लंदन और 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में भारत को क्रमशः मात्र एक पदक और 3 पदक ही नसीब हुए थे। अत्यंत निराशापूर्ण और अपमानजनक दौर था। 2016 में पैरालंपिक में हमने 2 स्वर्ण समेत 4 पदक जीते थे, लिहाजा उम्मीद की किरण दिखाई दी, तो पहली बार प्रधानमंत्री मोदी ने पैरा खिलाडियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया और मुलाकात कर बहुत कुछ समझने की कोशिश की।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

डीजीपी अभिनव कुमार ने बढ़ाई गश्त पुलिस, चप्पे चप्पे पर होगा पहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 सितंबर, अभिनव कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड ने प्रदेश में अपराधों की प्रभावी रोकथाम एवं सुदृढ़ पुलिसिंग के तहत आम नागरिकों के मध्य सुरक्षा का माहौल स्थापित करने के लिये गश्त (फुट पैट्रोलिंग) प्रभावी रूप से की जाय, जिससे जन सामान्य में सुरक्षा के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न हो सके। साथ ही समस्त जनपद प्रभारियों को क़ानून एवं शांति व्यवस्था के सबंध में निम्नवत् आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं -

ये हैं डीजीपी अभिनव कुमार के आदेश

1-प्रायः रात्रि के समय आपराधिक तत्वों की सक्रियता बढ़ जाती है और चोरी, लूट, डकैती तथा महिलाओं के साथ दुव्यवहार की घटनाएं घटित होती है, जिनका आम जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व रोकथाम हेतु रात्रि में पुलिस की सक्रियता बढ़ा कर प्रभावी नियंत्रण किया जाये ।

2- प्रत्येक जनपद में थानावार आपराधिक घटनाओं के हॉटस्पॉट चिन्हित कर इनकी मैपिंग करते हुये प्रभावी गश्त, फुट पैट्रोलिंग व चैकिंग सुनिश्चित की जाये। थाना क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

3- सभी थाना/चौकी क्षेत्र के प्रमुख चैराहों, बाजारों, शापिंग मॉल, बस स्टैण्ड/रेलवे स्टेशन/पार्क इत्यादि के आस-पास प्रत्येक दिवस पैदल गश्त अनिवार्य रूप से की जाये।

4- संवेदनशील मार्गों पर गश्त हेतु पर्याप्त संख्या में पैट्रोलिंग वाहन लगाये जाये, इसके अतिरिक्त अन्य संवदेनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट्स लगायी जाये तथा महत्वपूर्ण स्थलों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों का व्यवस्थापन भी कराया जाये।

5- सभी जनपद प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि जनपद के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि गश्त व चैकिंग हेतु प्रत्येक दिन रोस्टरवार एक क्षेत्राधिकारी की ड्यूटी लगायी जाय। अपर पुलिस अधीक्षक इस गश्त चैकिंग का भ्रमणशील रहकर पर्यवेक्षण करेंगे।

6- सभी जनपद प्रभारी रात्रि एक बजे तक स्वयं भ्रमणशील रहकर रात्रि गश्त पार्टियों की रेन्डम चैकिंग सुनिश्चित करेंगे। रात्रि गश्त में अनुपस्थित, शिथिल एवं लापरवाह पाये जाने वाले पुलिस कर्मियों को सचेत किया जाय तथा इसकी पुनरावृत्ति होने पर उनके विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाय।

7- राजपत्रित पुलिस अधिकारी/थानाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिदिन सांय के समय भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों/कस्बों में कम से कम 01-01 घण्टा फुट पैट्रोलिंग की जाय।

8- फुट पैट्रोलिंग/गश्त चैकिंग के दौरान उस क्षेत्र के अभ्यस्त/सक्रिय अपराधियों, हिस्ट्रीशीटर व अन्य कुख्यात अपराधियों की भी आकस्मिक व अधिक से अधिक पुलिस बल के साथ चैकिंग की जाय।

9- स्कूल एवं कॉलेज, विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं औद्योगिक क्षेत्र के आस-पास खुलने व बन्द होने के समय प्रभावी पैदल गश्त करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों (मनचले, पान की दुकानों के पास खड़े तथा संदिग्ध गाड़ियों में बैठे व्यक्तियों आदि) की अवश्य चैकिंग की जाय।

10- पैदल गश्त के दौरान समस्त अधिकारियों/पुलिस कर्मियों द्वारा यथासम्भव जनता से सम्पर्क कर उनमें सुरक्षा की भावना पैदा करने एवं पुलिस को महत्वपूर्ण सूचनाएं एवं सहयोग देने हेतु अवश्य प्रेरित किया जाय।

11- पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण जनसंवाद के साथ-साथ क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों से मोबाईल नम्बरों का आदान-प्रदान करेंगे एवं थाना व कार्यालयों पर इसका पृथक से अभिलेखीकरण भी किया जाय।

12- फुट पैट्रोलिंग के दौरान पुलिस अधिकारी/कर्मी द्वारा जनता के व्यक्तियों के साथ शालीनता एवं शिष्टाचार का व्यवहार किया जाय।

डीएम ने 44 शिकायतों को सुनकर निस्तारित किया

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने सोमवार को आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जनता की 44 शिकायतों को सुनकर मौके पर निस्तारण किया। इस मौके पर डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन, तहसील दिवस, बीडीसी बैठक और जनता मिलन कार्यक्रम में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए शिकायतों का गंभीरता से तय समय में निस्तारण सुनिश्चित करें। अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सरलीकरण को लेकर सुझाव भी तत्परता से देने को कहा। जिला सभागार नई टिहरी में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रधान स्वाड़ी (कांडी) जाखणीधार पूजा कुमांई ने ग्राम पंचायत में शहीद प्रकाश चंद कुमाईं रोड का कार्य जल्द शुरू करवाने की मांग की। जिस पर ईई लोनिवि बौराड़ी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बौराड़ी अठूरवाला निवासी राजपाल सिंह तोपवाल ने पुनर्वास स्थल बौराड़ी में आंवटित कृषि भूखण्ड का सीमांकन कर राजस्व अभिलेखों में ठीक करने एवं शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के निर्णय के अनुरूप ब्याज भुगतान करने तथा ग्रामीण रामरखा ने अनुसूचित जाति बस्ती डोभन को विस्थापित करने का अनुरोध किया, जिस पर ईई पुनर्वास को पत्रावली प्रस्तुत करने तथा नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। ग्राम जादवाणी निवासी संगीता देवी ने आवासीय मकान के आंगन चौक के क्षतिग्रस्त होने के चलते आपदा मद से आर्थिक सहायता की मांग की, जिस पर एसडीएम प्रतापनगर को जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिये गये। एसआरटी परिसार बादशाहीथौल निवासी शक्ति प्रसाद जोशी ने नगर क्षेत्र चम्बा में विद्युत पोलों पर खुली तारों से करंट लगने की आशंका के चलते समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया गया, जिस पर ईई विद्युत को आवश्यक कार्यवाही करने को निर्देशित किया। बैठक में पीडी डीआरडीए पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, डीडीओ मोहम्मद असलम, सीएमओ डा श्याम पाण्डेय, एसडीएम अपूर्वा सिंह, संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र ने लिया केदारनाथ में यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा

रुद्रप्रयाग। बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सोमवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने धाम में निर्माणाधीन बीकेटीसी भवन और यात्री रेन शेल्टर का भी निरीक्षण किया। साथ ही सभी अधिकारी कर्मचारियों को दूसरे चरण की यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने हेलीपैड के निकट बन रहे रेन शेल्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को निमार्ण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा कि रेन शेल्टर बनने से यात्रियों को बारिश से बचाव में मदद मिलेगी। जबकि ठंड से भी बचाव होगा। इसी में अलाव की भी व्यवस्था की जाएगी। कहा कि यहां बीकेटीसी एक सूचना केंद्र भी स्थापित करेगी। जहां पर यात्रियों को विभिन्न सूचनाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने इसके बाद केदारनाथ धाम में मंदिर के समीप बीकेटीसी के निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण किया। इस भवन में बीकेटीसी के कार्यालय से लेकर कार्मिकों के निवास की व्यवस्था की जाएगी।

हिमालय दिवस पर हिमालय संरक्षण की पहल

नई टिहरी। हितायु लोक कल्याण समिति नागणी और उत्तरांचल उत्थान परिषद देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नागणी में हिमालय दिवस धूमधाम से मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। सोमवार को मुख्य अतिथि पर्यावरण कार्यकर्ता रघुभाई जड़धारी ने कहा कि हिमालय को बचाने और उसके संरक्षण के लिए सभी को आगे आने की आवश्यकता है। हमारे आसपास के पहाड़, जल, जंगल और जमीन भी सुरक्षित रहे यह भी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह काम भी हिमालय के संरक्षण जैसा ही है। हिमालय लगातार बढ़ते प्रदूषण और गलत नीतियों के कारण खतरे मे है। इस अवसर पर विद्यालय में दो वर्गों में हिमालय के संरक्षण और संवर्धन विषय पर कला प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें शिशु वर्ग में प्रज्ञा प्रथम, प्रधुम्न द्वितीय और अध्ययन तृतीय रहे। वहीं बाल वर्ग में अक्षिता प्रथम, अंशिका द्वितीय और दृष्टि तृतीय रही। विजेताओं को स्कूल प्रबंधन और समिति की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मिलकर हिमालय प्रतिज्ञा की शपथ ली गई। इस मौके पर चंबा के पूर्व सभासद शक्ति प्रसाद जोशी, प्रधानाचार्य अनंतराम पेटवाल, समिति के सचिव डॉ. दिवाकर पैन्यूली, उपाध्यक्ष अनीता पैन्यूली, पदम गडोही, मंजू रानी, कुसुम डबराल, मनीषा, सीमा, पूजा, ममता, राम सिंह भंडारी, पंकज लाल, सब्बल सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

स्किल डेवलपमेंट पर कार्यशाला शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल द्वारा चौरास वाणिज्य विभाग में टैलेंट स्किल यूनिवर्सिटी मुंबई के साथ मिलकर चार दिवसीय स्किल डेवलपमेंट सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारम्भ किया। प्लेसमेंट सेल के चेयरमेन राकेश ढोडी ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को स्किल अपग्रेडिंग कर जॉब मार्केट के लिये तैयार करना है। कार्यक्रम में सौ से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। मौके पर प्रो. आरसी डंगवाल, प्रो. अतुल सत्ती आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड निकाय चुनाव की बढ़ी सरगर्मी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 सितंबर , राज्य में कुल 105 नगर निकाय हैं इनमें से 102 नगर निकायों में ही चुनाव कराने की तैयारी है। तीन निकायों में चुनाव नहीं होते। नगर निकायों का कार्यकाल बीते साल दो दिसंबर को समाप्त हो चुका है। इसके बाद निकायों को छह माह के लिए प्रशासकों के हवाले कर दिया गया था। इस अवधि में भी चुनाव न होने पर प्रशासकों का कार्यकाल तीन माह बढ़ाया गया। बीती 30 अगस्त को शासन ने नए बोर्ड का गठन होने तक प्रशासकों का कार्यकाल विस्तारित कर दिया था। निकाय चुनाव से संबंधित प्रकरण हाईकोर्ट में भी विचाराधीन है।

पूर्व में शासन ने कोर्ट में कहा था कि 25 अक्टूबर तक चुनाव करा लिए जाएंगे। इस बीच निकायों में ओबीसी आरक्षण निर्धारण से जुड़ा विषय विधानसभा की प्रवर समिति के हवाले है। समिति को 23 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट देनी है। दो नगर पालिकाओं के नगर निगम में उच्चीकृत होने के साथ ही नगर निगम देहरादून समेत आठ अन्य निकायों में दोबारा से परिसीमन कराया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग ने इन 11 निकायों में मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण के लिए 16 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया है। उत्तराखंड में 11 नगर निगम, 45 नगर पालिका परिषद, 49 नगर पंचायत हैं। तीन नगर पंचायतों बदरीनाथ, केदारनाथ व गंगोत्री में चुनाव नहीं होते। इसके बाद नवंबर मध्य में राज्य के 105 में से 102 नगर निकायों में चुनाव कराने की तैयारी है। इसे लेकर कसरत चल रही है। तीन निकायों में चुनाव नहीं होते।

उत्तराखंड निकाय चुनाव 2024:

एक नजर आंकड़ों पर उत्तराखंड में नवंबर माह में होंगे निकाय चुनाव राज्य में कुल 105 नगर निकाय हैं 102 नगर निकायों में होंगे निकाय चुनाव तीन निकायों बदरीनाथ, केदारनाथ व गंगोत्री में चुनाव नहीं होते हैं उत्तराखंड में 11 नगर निगम हैं 45 नगर पालिका परिषद, 49 नगर पंचायत हैं।

सचिव गृह शैलेश बगोली ने यातायात प्रबन्धन को लेकर दिए निर्देश

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए सभी जनपदों में सहायता करे यातायात निदेशालय : शैलेश बगोली

आशीष तिवारी /बालजी दैनिक न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 सितंबर, सचिव गृह शैलेश बगोली ने प्रदेश एवं विशेषकर देहरादून और अन्य बड़े शहरों में यातायात को लेकर पुलिस एवं परिवहन विभाग सहित अन्य सम्बन्धित एजेन्सियों के साथ बैठक की। सचिव गृह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात की समस्या के निराकरण के लिए शीघ्र ही अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक योजनाएं तैयार की जाएं। सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा आपसी सामंजस्य से व्यापक कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने निर्देश किए कि यातायात निदेशालय देहरादून सहित सभी जनपदों में यातायात व्यवस्था के सुधार के लिए कार्य करेगा।

सचिव गृह ने यातायात संकुलन को दूर करने के लिए आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार की दिशा में कार्य कर रहे अन्य संस्थानों और एजेंसियों किए गए कार्यों का भी अध्ययन कराते हुए अपनी योजनाओं में शामिल किया जाए।

- यातायात नियमों के प्रवर्तन पर दिया जाए विशेष ध्यान
- रेड लाईट वायोलेशन डिटेक्शन (आरएलवीडी) को शीघ्र किया जाए सक्रिय

उन्होंने अधिक यातायात संकुलन वाले स्थानों पर नयी पार्किंग चिन्हित करने के साथ ही नए सड़क मार्गों के निर्माण और पक्कीकरण पर फोकस किए जाने के निर्देश दिए। वाणिज्यिक संस्थानों, मॉल, रेस्टोरेंट आदि द्वारा अपनी पार्किंग को प्रयोग में लाने हेतु एन्फोर्समेंट बढ़ाया जाए।

सचिव गृह ने शहर में रेहड़ी ठेली लगाने वालों के लिए मोबाईल वेंडिंग जॉन निर्धारित करने की दिशा पर भी कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने रेड लाईट वायोलेशन डिटेक्शन (लालबत्ती उल्लंघन पहचान प्रणाली) को सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि चौराहों पर ऑटोमेटेड रेड लाईट सिग्नल्स को बढ़ाया जाए। साथ ही अधिकतर समय ऑटोमेटेड मोड को चालू रखा जाए ताकि सिस्टम यातायात प्रवाह को सीख कर खुद को अपग्रेड कर सके। उन्होंने स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के साथ लगातार सामंजस्य स्थापित करते हुए यातायात समस्याओं का निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर विशेष सचिव गृह रिद्धिम अग्रवाल, आईजी एवं निदेशक यातायात अरूण मोहन जोशी, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल एवं एसएसपी देहरादून अजय सिंह सहित लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद के नाम पर जीआईसी थाती का रखने की मांग

नई टिहरी। जनपद के बुढ़ाकेदार क्षेत्र के थाती गांव के रहने वाले भूपेंद्र सिंह नेगी ने शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत व डीएम मयूर दीक्षित को पत्र सौंपकर जीआईसी थाती का नामकरण पिता स्व. बचन सिंह नेगी पर करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से भूपेंद्र नेगी ने बताया है कि उनके पिता स्व. बचन सिंह नेगी चौथी गढ़वाल राईफल्स में थे और वे 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए थे। आजादी के अमृत महोत्सव काल में मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के दौरान मेरी माता ने भी शहीद पति के नाम जीआईसी थाती का नाम रखने की मांग थी।

कार्यशाला में अर्थ गंगा की अवधारणा पर मंथन

नई टिहरी। मसूरी वन प्रभाग के नमामि गंगे परियोजना की पहल पर पर्यटन स्थल धनोल्टी क्षेत्र में पारिस्थितिकी और ईको टूरिज्म के विकास के लिए जलज परियोजना के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें एनएमसीजी (नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा), डब्ल्यूआईआई (भारतीय वन्यजीव संस्थान) के विशेषज्ञों ने जरूरी परामर्श दिए। कार्यशाला का उद्देश्य नदी और लोगों के बीच बेहतर संबंध स्थापित कर अर्थ गंगा की अवधारणा को साकार करना था। इको पार्क धनोल्टी में आयोजित कार्यशाला का वन संरक्षक यमुना वृत कहकशां नसीम, डीएफओ अमित कंवर, जलज परियोजना की सीनीयर प्रोजेक्ट असिस्टेंट अंजना शर्मा, प्रोजेक्ट साइंटिस्ट सौरव गवन ने शुभारंभ किया। कार्यशाला में मसूरी वन प्रभाग के कार्मिकों के साथ ही वन क्षेत्र के विशेषज्ञों, स्वयं सहायता समूहों और इको पार्क के सदस्यों ने शिरकत की। कार्यशाला विशेषज्ञों ने स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग और सतत विकास के उपाय, पर्यटकों के लिए आकर्षण बढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी। वहीं नदी संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता को लेकर भी जागरूक किया गया। स्थानीय समुदायों को इको-टूरिज्म से आर्थिक लाभ पहुंचाने पर वृहद चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इससे न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने मे मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और आर्थिकी को मजबूत करने में सहयोग मिलेगा। अंजना शर्मा ने जलज परियोजना की पृष्ठभूमि बताई। सौरव गवन ने जलज परियोजना का उद्देश्य और योगदान बताया। वन संरक्षक यमुना वृत्त कहकशां नसीम ने गांवों के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस मौके एसडीओ दिनेश चंद्र नौडियाल, वन क्षेत्राधिकारी लाखीराम आर्य, लतिका उनियाल, ईको पार्क समिति के सचिव मनोज उनियाल, कुलदीप नेगी, प्रमोद बंगवाल, सुशील गौड़, उर्मिला चौहान, सुनीता, अनिल सिंह, राजेश कुमार, आरती पंवार, सुप्रिया रावत आदि मौजूद थे।

रेल लाइन की समस्याओं के निस्तारण को विधायक कंडारी ने ली बैठक

नई टिहरी। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन से उपजी समस्याओं के निस्तारण के लिए देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी और डीएम मयूर दीक्षित ने आरवीएनएल (रेलवे विकास निगम लि.) और संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेते हुए समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। निर्णय लिया गया कि आरवीएनएल तत्काल नैथाणा गांव में मिनी स्टेडियम बनाएगा।

इसके लिए भूमि संबंधित विवाद को डीएम ने मौके पर ही निस्तारित करते हुए पटवारी और रेलवे के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए। सोमवार को डीएम कार्यालय में आयोजित बैठक में विधायक कंडारी ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन विकास के आयाम स्थापित करेगी। इन दिनों द्रुत गति से परियोजना की सुरंग निर्माण सहित अन्य कार्य संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में अभी कई समस्याएं बनी हुई हैं। जिनमें स्टेडियम निर्माण, पेयजल लाइन, विद्युत लाइन, सोलर लाइट, हैंडपंप आदि शामिल हैं। जिन्हे हल किया जाना चाहिए। डीएम ने आरवीएनएल के डीजीएम ओपी मालगुडी को सभी समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। कहा कि नैथाणा मिनी स्टेडियम का भूमि संबंधित प्रकरण हल करन वहां तत्काल निर्माण और अन्य कार्य पूरा करें। उन्होंने विधायक की ओर से खनन न्यास में दिए गए प्रस्तावों को भी जल्द स्वीकृत करने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

हिमालय के लिए हिमालय दिवस पर हिमालय प्रतिज्ञा ली

नई टिहरी। टिहरी के विभिन्न संस्थानों व स्कूलों में हिमालय प्रतिज्ञा लेकर हिमालस संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की गई। हिमालय बचाओ अभियान को लेकर आम लोगों सहित छात्रों में खासा जोश देखा गया। सोमवार को देवप्रयाग में महिला व्यवसायियों ने हिमालय बचाओ की शपथ ली। प्रतिज्ञा लेते हुए प्रिया नेगी, सोनी नेगी, निकिता, अंजलि, रेखा आदि ने कहा कि हिमालय के संरक्षण की पहल अहम पहल है। इसमें हमसभी को भागीदारी करनी है। हिमालय के संरक्षण को कदम उठाना जरूरी है। देवप्रयाग के राजकीय महाविद्यालय चंद्रवदनी में हिमालय बचाओ अभियान के तहत प्राचार्य डॉ महंत मौर्य मौजूद छात्रों व स्टाफ को हिमालय प्रतिज्ञा दिलाते हुए हिमालय के संरक्षण के हित में काम करने का संकल्प दिलाया। राजकीय महाविद्यालय थत्यूड़ में हिमालय दिवस को धूमधाम से मनाते हुए प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार पांडेय ने स्टाफ व छात्रों को हिमालय प्रतिज्ञा दिलाई। यहां पर कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. रवि चंद्र द्वारा हिमालय बचाने को महाविद्यालय परिवार को शपथ कहा कि हिमालय के आबोहवा दुरूस्त करने के लिए सभी मिलकर काम करें। डॉ. विजेंद्र लिंगवाल ने हिमालय की भौगोलिक महत्ता बताते हुए पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता बताई। जीजीआईसी बौराड़ी में प्रवक्ता रोशनी नेगी में बड़ी संख्या में मौजूद छात्राओं को हिमालय प्रतिज्ञा दिलाते हुए हिमालय के संरक्षण की अपील की। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर में प्राचार्य प्रो राजेश उभान ने हिमालय प्रतिज्ञा दिलाते हुए कहा कि हिमालय के स्टाफ व छात्र काम करते हुए पर्यावरण संरक्षण का काम करें।

फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 11 को होगा

श्रीनगर गढ़वाल। रोटरी क्लब अलकनंदा वेली उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता का जूनियर और सीनियर वर्ग का फाइनल मैच 11 सितंबर को खेला जायेगा। सोमवार को अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता का पहला लीग मैच सेंट थेरेसास कॉन्वेंट स्कूल और रेनबो पब्लिक स्कूल श्रीनगर के बीच खेला गया। जिसमें रेनबो ने विजय प्राप्त की। दूसरा मैच एसजीआरआर और देवभूमि पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। जो 1-1 गोल से बराबर रहा। तीसरा लीग मैच रेनबो पब्लिक स्कूल और देवभूमि पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। रेनबो पब्लिक स्कूल के आदर्श द्वारा एक गोल किया गया। चौथा लीग मैच एसजीआरआर और सेंट थेरेसास के बीच खेला गया। जिसमें सेंट थेरेसास ने पांच गोल से विजय हासिल की।